Tools of Testing

5. श्रेणी मापनी (Rating Scale)–इस विधि को **निर्धारण मापनी** और **क्रम निर्धारण विधि** भी कहते हैं। यह विधि प्रश्नावली की तरह की ही होती है, अन्तर यह होता है कि इसमें समस्या विशेष से सम्बन्धित अनेक कथन होते हैं, निर्धारक को अपनी दृष्टि से उन्हें श्रेणीबद्ध करना होता है इसीलिए इसे श्रेणी मापनी कहते हैं। यह श्रेणी मापनी कई प्रकार की होती है–

(i) **चैक लिस्ट** (Check List) – चैक लिस्ट में किसी समस्या से सम्बन्धित अनेक कथन दिए होते हैं, निर्धारक को अपनी दृष्टि से उपयुक्तम पर चिह्न लगाना होता है।

चैक लिस्ट का प्रयोग शिक्षा नीति एवं शिक्षा योजना आदि की उपयोगिता एवं छात्रों के गुण-दोषों का पता लगाने एवं व्यक्तित्व मापन के लिए किया जाता है।

(ii) **आंकिक मापनी** (Numerical Scale) – इसमें किसी समस्या से सम्बन्धित 3, 5 अथवा 7 कथन दिए होते हैं। व्यक्ति अथवा छात्रों को प्रत्येक कथन को उसकी सार्थकता के आधार पर अंक (1, 2, 3), (1, 2, 3, 4, 5) अथवा (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7) देने होते हैं।

इसका प्रयोग शिक्षा एवं छात्रों से सम्बन्धित समस्याओं एवं व्यक्तियों के व्यक्तित्व के मापन के लिए किया जाता है।

(iii) **ग्राफिक मापनी** (Graphic Scale) – इसमें किसी समस्या से सम्बन्धित प्रत्येक कथन को अंक प्रदान करने के स्थान पर उसके लिए एक क्षैतिज रेखा (Horizontal Line) प्रस्तुत की जाती है। इस क्षैतिज रेखा को सातत्य (Continuum) कहते हैं। व्यक्ति अथवा छात्र इन कथनों से सम्बन्धित अपनी राय को क्षैतिज रेखा के किसी बिन्दु पर प्रकट करते हैं। मापनकर्ता क्षैतिज रेखा पर लगाए गए बिन्दुओं की दूरी के आधार पर उनकी सम्मति का मापन करता है।

यूँ इस विधि का मापन आंकिक मापनी की तरह ही किया जा सकता है परन्तु व्यवहार में इसका प्रयोग कम ही किया जाता है।

(iv) क्रमिक मापनी (Ordering Scale) – इसमें किसी समस्या (गुण) से सम्बन्धित कथन अथवा प्रश्नों के स्थान पर कई समस्याओं (गुणों) को एक साथ प्रस्तुत किया जाता है और निर्धारक से उन्हें क्रमबद्ध कराया जाता है।

इसका प्रयोग किसी व्यक्ति में यथा गुणों की सापेक्षिक स्थिति का पता लगाने एवं उनके व्यक्तित्व का मापन करने के लिए किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(v) बाध्य चयन मापनी (Forced Choice Scale) – इसमें प्रत्येक प्रश्न के दो या दो से अधिक उत्तर दिए होते हैं। व्यक्ति अथवा छात्र को इन उत्तरों में से ही किसी उत्तर का चयन करना होता है। इसीलिए इसे बाध्य चयन मापनी कहते हैं।

इसका प्रयोग किसी व्यक्ति अथवा छात्र में यथा गुणों के होने, न होने अथवा कितना होने के बारे में जानकारी प्राप्त करने एवं उनके व्यक्तित्व का मापन करने के लिए किया जाता है।

शिक्षा के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की श्रेणी मापनियों का प्रयोग किया जाता है। इनके द्वारा छात्रों के गुण-दोषों का पता लगाया जाता है और उनके व्यक्तित्व के शीलगुणों (Traits); जैसे– बुद्धिमत्तता, चिन्तनशीलता, विनम्रता, ईमानदारी, अनुशासन प्रियता, साहसकिता, कर्मठता और कर्त्तव्यनिष्ठा का मापन किया जाता है। इनका प्रयोग मुख्य रूप से छात्रों के व्यक्तित्व मापन में ही किया जाता है।

परन्तु श्रेणीमापनियों का निर्माण, उनका प्रयोग और फिर उन पर प्राप्त व्यक्तियों (छात्रों) की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण एवं आँकलन विशेषज्ञ ही कर सकते हैं, सामान्य शिक्षक नहीं।

Scanned with CamScanner